

1-94

श्री
को
वा
ता

श्री क
या
को न
वा न
ता

स
स
अ

न उ त र ही स

त मा क ना द्वा र को

मा क न ली अ यो र त्वा स

ची क न रा वा को दे वा र त व सी व सा व म

क न सा हे अ ली न म अ न री क न ते स हा वी

ओ ग मा स म

प क्ष

म
म
म

श्री क

य

को

वा

त

क

क

क

स

च

ध

इ

ह

ल

म

न

स

प

र

श

चन ग र क न अ क
धे जो र र स वा उ म ह
इ ह र व र ह क त ध र मा ज र ह
हा प दी राज कु मार स त ल स त ज
म या र उ थी क न ह य आ त आ धा र
न म जे ह म नी क त क त प र ग री क
स लो ना त श्री को क त द ह मा मा
प क न मा ग मो न न द ह न न

खा
र आ
होला
त दे
कहा
हो
मेजा

गुहा
मारन
बीले और

गनी भाइ ह
द म लक्ष जी

का थ र ज ला अ
सी गाई न हो उला जो थ ला ह ह ले अ र क
क न ले मे को ले ला अ ती ज्ञान स के न

न व लय हा ग त ती र ना द्य म गा मा द्य

गि हा मा त लं कु सु त मा पु ज्जा र दे स

त सु दर मा नी स म त्मा क

हो न
म

सु

क

ल

आ

हमी

चीज

माती

माता

धूम

समो

॥ ये ही

नम

यन

गमा

नके

का

ने

इलो

ह

॥ १५ ॥

अ

न

न

म

म

म

म

म

म

म

म

मंदी कन

रामाय ३ पु

रामायी हो

रामायी कन

कान दी

माइवाव

अर्या थ.दे

सरी सुवन के सरी मे

कान सुनी कन ता हा प ह्ये रा

तल से न ले पनी जाल मा

दधी कन सा है आ स जे मा नी कन मन

मा हर्ष मान गरी कन म दा म याः ॥ २९

देः ॥ हे ती री या हो पुव दी सो माइ हो हा

मु प छे म दी सा सो जाइ ॥ जात ह

मा रा राज व सी मुल का की रत मा

इ ॥ ॥ हे ती री या हो को न तु गा से माइ वा

वा को न जात ह मा से जात ॥ सु नो दे स

मो को हुकांत

५॥१॥ हं वं

सुन मं यो हं वं

मी को ले न

दव ता न

कुं मार स रत

ता हा म ही नकु मारी

मा ले मन मा ह ख मा त

सी मै इ मं रा म या

मार स त ल से न हो वी मे से के मारी मा

मे से सु न ती ना उ मे से सु न न वं स री

ही द सं की ज न्म मु मी ॥ २॥ हे राज कु म

र हो ल हा सु र दे त ल ले दु म दी यो हें ॥ अ

द स वं दु ल ने आ इ ॥ मो ही का र न यो दे स

सु न म म मो ह म को ह री के ल्या इ ॥ २५ ॥ म

त्या थः ये ती व च न राज कु मारी सु व न क

स री ले म न्मा को वी ल्य र सु नी क हा राज

सुन्यावही राजकु
न सखीले पुल का माला ज
हिया त्यानी मनी गो एमा
पार ता हा प्रस लु हा सुर
गि थाउ जा रु भी क न न चा मत
उत दाम आ ता हा पंही राज
न ल से न से च भी भोजन गरी
मंदान या हरी ती लो हास
अन ल मनी स धै या समा
मा गरी क टी दी न स मु नी वा
हमा य ला त स्म र न मालु हा सुर है का
आउ दामा ह का पं चा मत प रि यार
ह रु धै है थो क व ना ड व धी या पा छ
गरी भोजन व ना मेर खु का उ न त व भु
सी म या को व मत मा को म ल व न न
गरी क न हे वा वा त पा ड मंजा दे मी स
धै मं ग ल मा मा व जानु डी ह म स्ना इनी
का मात ये स्ना ह वेली मा ये क ले व सी

हरनु मंदा मन्दा व
 ट ह हमा ये र व ग ग ग
 आमु मनी क र ल म न म
 ले क सो ग पि प्र ती र हाल
 इ का प्रा न ह स क स्या र म
 न ह स को वा ट सो धी क न र अन
 ग या दे धी हा मी ला इ व धी ग स से
 नी आ जा ग द मा ता हा प धी स
 सु व न के स री मे जा ल ह न रा थ न म र
 जा त र का व दी या र ह ह धी र थो क व न
 या र व ठि या पा स संग भो जन त या र म
 या को थी यो त्प सौ व अ त मा लु हा सु र द
 ते प नी आ ई पु ग्गार भो जन ग रा उ ल म या
 ता हा प धी लु हा सु र दे ते ले प नी भो जन
 री स का प धी व रु तै धु सी म यो र म य
 है री म क मा री सु व न के स री मे आ आ ज
 भो ज का स रा य म प नी धे र थो क

तु त म म था को द त स

म न ३५ ते बु सी मठा म व ली मी
ने व र हा मा ग्द हो मा ग म द म था है
राम कु मा री का कू का ले ग द मा स वै था

राज कु मा री सु व न के स

ग ले मं दा म था है वा वा त पाइ
ग डी मा स वै थो क म री म रा

द म न्ना म ही म क्पी मा गे व रु त

म म न्ना दे बी स धे न ग ल मा म

ह द म स्वा इ मी का जा त ये सी ह व ली

मा ये क ली हर नु प द म मा प ही का

छे लु चा धा द ह ह मा ये र दे रा वा वा ल इ

मा री क न मा उ न्ना दे बी मे ई लो क सी ग

ी क न क री त मार हु ला त र्का र न त पाइ

लो जा न हं स क्क मार बी व सा को द से

म थ म ला ई क ही न व न्ना नु ह न स क ही

वक्त्रनुमया देवी ते रजः
 लामनी कनको मलवन गरी मंद
 ता हावही तु हा सुरदैत्य ले मं च न
 हेराज कुमासी सुवन के सरी मं जग
 मो तल चो क का पो म री मा मा
 को मिया मा मेरा प्रान हं सरा
 त्यो मं म्या ला इज सले ये के जा त म
 कनका तन स कला त्या मं वा दी न
 दी इन गोता म मरानी स कला र गो
 म मराराजा सतल सेन का गे दा मालु
 की र ग ना कन जाला र त व गो दली दली
 कन माला त व ती मी हं हं ये के गो ता म
 एनी मी लो क सीं ग र ला या को था उ मा
 र मा क न माला त व ती मी लो कु बो लो था
 कन माला त व ती मी हं हं त व ती मी हं

मैं कल सुख भोजन
तब वरुन रौं लाइल मन्ना देयो
जो सतल सेन जन्मा को पनी देन या हा
येही को को म गनी कन को चाही नेवीर
जन्मा को द रती मी दरा उ हो य स्मा के
दरु ता फी की मानु प देन मीति

राती रजामा भरो सा दी कन मा फ
नती रजा दाम या ता हा प धी रती
हुवन के सरी राज कुमार सतल सेन म
या काया उ मा भं थार लु हा सुर दे तल
मन्ना वमो जो म सबै नी थार गरी कन
को क को मा गु को यो थरी मा क द की
र को थं मा मा प्रान हं रा रा मा को द म
नी पी नी गउ वा हा प धी राज सतल सेन ल
चो क मा ग या र मा गु को फ द गी र को म
वा मा सत्री वा न गी वी कन हा न्या र लु
का का ही थिया रत वरु न गोता म म रा
को दं जो धा म रा गुता फ न्ना गोर

मालुगी रंगी तै केन आया र
दली कानन मा दाम या योता म म रा
वन के सरील क सी गरला या का था उ
चुश्मा क नग या रत कु चो ले वीनी ज द म य
ता हा प धेलु हा सर र त ज ग ल वा र व र
व ग ले द गुरी क न आ या र धो का मा प धा
रो क न म दाम या ~~ह~~ वा सो र न यो लु हा र
त वा त्यो दे धा क न रानी शु व न के
वीनी ग सु म या हे मा हा राज यो लु हा
दे म जा प नी मे ए ध म को वा वा हो त स
थ ड ड त क सरी र ला ड ड ग माल गी क
न अ जी स र का र गरी व क न तु ह व र
म नी वीनी ग द मा ता हा प धा र जा सत
त स न ले व धी या म नी क न दु व म वा ले
हा सु र त के को सरी र ग माल गी क न
जी स र का र गरी दी या ता हा प्रा त म जी
र का र गरी क न स का प धा ग म मा

[illegible]

[illegible]

सुवन क सरी को माहा
क क स उ म न्या उ म व की नी ग दी
मा हे मा हा राज मे स मा उ को ये क के स
रुनी क न ग यो भ व या के हा ता इ क सा ग
रो भ नि नी नी ग हा मा ता हा प दी ए मा हा
ल से न ले भा जा ग रा म पा हे रु नी ला क स
म उ व हा मा हा नी क न ग मा जी मा व मा इ
दे म नी क न भा जा म मा र रु नी सु व
न के सरी ल त म के हा ता रा व हा मा हा
ली क न ग मा जी मा व मा इ हा मा व ता हा
दी दु वैन ना द ना र प्री से सु व स भोग म
हा व र म भा न द व सदा म या ता हा प्रा न ग
मा नी ले तो के स रा या का व व द व गा
इ के न ले भा दा मा १ दी त म मोर १ दी त
को र सा गा पु गे द ह र ता हा प दी भ हो र
राजा स ये त ग नी क न भा उ दा मा मा ग
नी ले व द व गा इ ला या को र या र सी मा
इ ह र ला इ भा डा ग दी म या ता नो ग गा

जीत
तील
पाइ
ली के
का ह
म धो
रा म
पी न
व स
री भा
प ह
आ इ
दी १
दे म
१ व
का

जीले कमा व जा इलाया

तील्याउ मनीआ जाग य माना हा

पाइ हले गंगा मा वडा चये पउ दी

लीकन त्यो व दली आ घा र म धोरु मा

का हुरु र मा न टाउ म म मा ता हा प्रात

म धोर र मा ले त्यो व दउ धा री हे र मा म

र मी त्या को सु व न के स री दे धा र ता

पी क न हे र सात हा व र हे द त्यो दे मी

व रुत म सी मी व न म म मा ह र मा न

री आ ल ना द वा र को री प्रात कात म मा

प द र मी र क म प था र म मा मी

आ इ पुं जा प हा आ ता ग र म मा ॥ २३ ॥

दो ॥ हे मी बु धी कर हे सु व न के स री

दे मी को आ ज रा म री नी दो न हा आ

॥ के स करी के सु व न के स री मे त

कर हे बु धी प्र का रा ॥ २३ ॥

सुनो हे गुरु पावन पतान न तो
न चीरि सीव सीव पंढी जताहि देस उज्ज
कल गाता गुन गुन पावन नाहि रुम गुनो
गुरु गुन पावन गुरु पाके की उन्न मोरु
पुनही हम ननग सडाहे हे गहि गहाम उज
ह मीगपा उमी मेका न डर एकका डर नाथ
हकी उकल्य धी उजकम न धो साप्रा कोहि
मकी प्राप्ति हे सब काम की साधने नर नही
गुरु ए गुरु वसी हम से वत नही कल नाउ
हो नारु प्राप्ति पही मन जानी पाके इम नि
हुती हम व पन छली वन की अंद की
कंमल साहा मने पमो नन्य मेले व
मंदर कृष्ण दुती फो पक जे गरी
मागह न नीह द के पत दिनाइ पाव
ष डती गुरु आपा को मा केहि कछा गह
वाकी मोहा ह द गली ही २५ गही
को सो गही मे न आपा नन्य २५ गही उ
१६ ले गुरु उमा गह आपा २५ गही उ
१६ गहि जती उती नाइ पष डको १७
उति न आपा नन्य कछा गह को
वाकी मानवी कोहि कछा गह आपा २५
गही ह द पही वध ड उड चर की कला
गह वकी उड मधवा मा ज क्या ह द ची त
ही पा को नाही ननको को ठाहि वी
म न चो नन आ नै ए ए ना वी

५३
५४
५५
५६
५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written on aged, yellowed paper with some visible staining and wear. The script is dense and fills most of the page. There are several lines of text, with some words or phrases appearing to be underlined or written in a slightly different color (possibly red ink). The text is oriented horizontally across the page.

पती वचन अधो हराले आसा जभा को
मत्री पुधी खनले वीती जदी मया ॥ २५ ॥
दाः साजानी पती को कृतनी को लाई के
इत सो कर ले होवा ॥ २६ ॥ नही कर
ली मयार जनक इथा मु एवल कानः ॥
मस्यथ ये वी वचन मंत्री पुधरि क
रते गंधा को सुनी लह मधो उन हो रन
सिमा लकु मती कुतनी दि की ल्या उन्या इ
भा जग जय मया ॥ २७ ॥ हेन कुमा
री हो सुवन के मरी दबी को भा
ज रात शि आन ही आइ ॥ २८ ॥ जै स्य क
री के सु न के सरी मरु हो इ कर
हो पुधी प्रकास ॥ २९ ॥ अस्माथ
ये ती वचन आ बो राले आसा जभा को
सुनी कुतनी मदन ॥ ३० ॥ २९
शः ॥ हरमान पती हो सो रुही

को

॥

२५

प्रकाशको मोहनी लयः ॥ ३ ॥

तो गंगा बतलत पठ रहत सु

न हो सता ॥ १५ ॥ अस्या धीये ती वचन

कमनी कत नी ले नी नी ग र्हा मया हे माहा

समा रुगी काठ को दुगा मन पवना को नह

मा वहना को वहना ता ही कन लया इ व कन नु

भया देवी सो प्रकाशको मोहनी सा

माली कन यो गंगा जी नी उल तो वना इ व

नर की सुवन के स ही पाह ल्या उ न्या का म

गडा रुमनी नी नी ग र्हा सा ता हा पछी अघोर

राजा ले आफन स ह रमा मया को स वे ज

माजी ह र ला र माज को दो न मा रुगी या

काठ रुगी या मन पवना को वहना ता ही

कन ल्या यो मया देवी ती नी ह र ला र

जा वी दी ल्या ल्या उन रा के न मया ती नी

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written on aged, yellowed paper with visible ink bleed-through from the reverse side. The script is dense and fills most of the page, with some lines showing signs of fading or damage. There are several red ink marks or stains scattered across the text, particularly in the upper right and lower right areas.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written on aged, yellowed paper with visible ink bleed-through from the reverse side. The script is dense and fills most of the page, with some lines showing signs of fading or damage. There are several red ink marks or stains scattered across the text, particularly in the upper right and lower right areas.

Handwritten text on the left margin, partially visible and overlapping the main text.

Handwritten text in a cursive script, likely a historical or religious document, written on aged, stained paper. The text is organized into approximately 25 horizontal lines. The script is dense and characteristic of early modern European handwriting. There are several instances of red ink used for initials or decorative purposes, notably a red 'S' in the second line and a red 'P' in the third line. The paper shows signs of significant wear, including staining, foxing, and irregular edges, particularly on the right side where the text ends abruptly.

सकल रंग रत्न मनी अहो यो
को हुनालो रज गलती र पठा उदा मया
ताहा पद हे मागी रस सबे जना जंगल
मा पुग्मा रज गल मा बो जे ही मा मा हु
गी या का थम न्या को र मन पव ता म
न्या को चीन्हा उन नंस केन र था की क
न हे रान हुन मा ता हुन य ही हनु मन म
न्या को बुधा चा हीले मा जे म द्राम मा हे
मा इह रसा हु जी क थम न्या को र मन
उना म न्या को हामी ह रले चीन्हा उन स
केन दुगा रेव हुनाले जानु म न्या रजाल हा
मि लुको ज्म धन व रस जना द रसा
रसा विना हा क मा ज्म धन सर्व रसा जना द
आज मे न्या द ची रत पत्र ज सो अव क्त पो
म रस म भिवा सव रसे र चीन्हा म हा

न मया पद गये
मा ताहा पदी स
ते सै थुलो वध
या ताहा प्रान ते
का गु र र हे ह त व
या हे स्वा मी दंडा
ल मा जे तुजा ना नर
नी का का रण ले वा सय
सा आधार ताहा पदी मा ल
मया हे अ खी अ धो रण जाले सु
री ल्या उ मा नी मी त रु गी या का ठ
मन प व ना को वह ना छ दी क न ल्या उ
स का सी रा पा उ दी उ ला ल्या उन स के नो
जा ती मी ह ह का म ध न स व स्य ग ना
म नी अ या इ प ना या को रु ना ले मा या
हो सो का रु ची । हु न स कि धं दाले म
दी रु दा ह मी र ह ह दे सा त र मा जा रु :

हो जाँ सव सु जा ग का
व कं वा व कं वा गर ही मी ह रु म
न्या देमी हा मी ह रु को वा ट बु रु न्या द न
हामी ह रु त प नी वा ट को वा ट बु रु न स क्य
उती ह रु दे सों तर मां गी नानु प यी द न रु
गी या का उ म न्या को ये से रु ख का मे द न
उ तर ती र ग या का हा गा म न प न क
मान्ना को हो हा मी ह रु को वा ती पु म्मा
दे यी रा मी गु र अ का रु ख मा मा री य
रु ख को द ग्गा व ह ना व न्ना उ त्तो ग या दे यी इ
म ह रु को व टा रु न्या द म नी क त म
ग मा पं दी ह रु मा ला पो थी र ज न
ग यी को रु रु मु न्ना म न्ना का बु धा
प ले प सु पं दी ह रु को मा मा मा
रु को रु न ले व रु ते रु सी मै क न म
रु को रु मा ड रु रु हा दे व को वृ पा
रु मा हामी ह रु मा गी नु नु प

दे न
रु ह
न न
प द
हो त
त्यो म
र स
ता हा
र रु
उ ला
त्यो म
न ना
हा प
व ह न
मा के
ले से

देनहु जी को ठे भैया को य ल

रहे ह त्थो उ त रती र ग या का हा ग। ३

नना प्रमा को हो भ व मे सह ब मा म ग

प दी को गु द रह द ती नी ह रु को व धी य

हो ला मा नु दैन त स अ थ रु अ मा च धी

त्थो म मा प दी को गु द न भ र का इ वी सा

र स ग जी की अ को रु अ मा सार दी दे उ

ता हा प दी ले जा उ ला भ य स व ज ना म य

र रु अ का ती क न दोगा व ह ना ता दी ले जा

उ ला भ य स व ज ना मा जी ह रु व रु भु स भ

त्थो म ग मा प दी ला इ व रु त वी सा र स ग

न ना सी क न भ को रु अ मा सारी दी उ ता

हा प दी स व ज ना त्थो रु अ भ र का व दी

व ह ना ता दी सी ध मा या उ ला जी भ धो र

मा को स ह र मा पु ग ना वी ती कै त व रा

ले दोगा व ह ना त्थो या को द मा र व

राजा को है सैन गरी कनभा
अरघर जांदा भया ताहा मह अद्यो रा
४० जाले कुमती कुतनी लाइ इकी अचरीना
होना कु रास वै अहाइ योगा वह ना दीयो
अर कुमती कुतनी ले पे हला अद्यतार मास
मंजी दोगा ना हरी दीया र योगा चंदी
मंदा भया: दो: ॥ १ ॥ हेन दी हो हुति या का
थकी दुगा चंदी लउ मन ववना कि वहना
चलाउ: ॥ १ ॥ जाहा रहली लु वन के सरी का
पानी धात ता हा तक ले जाउ ला पार: ॥
३॥ अस्यार्थ चेत वचन कुमती कुतनी
ले भनी कन व हमा हा त माली त्या बीन के
उल जो गंगा बगी गुइन र वत्तो दोगा का
पुवे गल गरी अद्यो रह मा का सहर द्यी
बुया को लु सा गत मा पुग्गा रतन कुमती
कुमती ले दोगा वह मा वर धी लु वन के स

शिका न जीवों को हवेली में

भयाः ॥ दोः ॥ हे भूमा रीहो जो दीन तु

राक्षसे सने हरीलपाइ सो दोन सो अकलन

हीवा ई ॥ कुसल रहली वाल कुमारी मो

हरे देख न पाइ ॥ ११ ॥ अह्मथ ये तीवचन

कुमारी कुतनी लेवीनी गन्धाको रानी सुवन

केसरी ले सुनी कुमाल नारद सुन दिवन

आजागद भयाः ॥ हे नरदेसी तीजी का हवा

दया यो भनी सो ध्यामा कुमारी कुतनी

मो हामी को जो का राखी दखन गद भया

हरानी सो होव हनु को थाइ भामा को व

हीनेनी भया को मेहुन कार लुहा लर

मेले हरी कन ले जाइ देवी मेले भाले

पनी भया को ये न भव राज कुमारी ले

हा सुदे मेलाइ नारी कन रावी लुत्पार

भा को भुमनी सुन्या रद नु रका माया

अर्धा नउ दी मुन्या ईवान हनु करि र

कन दस न गुन आभु मनी बीनी गद

माता हा पदी सुनी सुवर्न के सरी ते आज
 गार्ग म या हे धारि आ मा तो मी जती आ
 इ पुग्गा पंही अवभा हा वस मनी आ पु
 संग **अ** रा **व** दा म या ता हा पदी ते सौ वय
 त मा राजा सतत सेन पनी आ इ पुग्गोर
 कुम ती कुत नीला **इ** दे **अ** र आ हा ग **द** म
 का हे रानी यो **वा** शी **मा** भिस को हो ला
 हा वा **अ** यो **म** नी **म** या मा ता हा पदी **रा**
 नी सुवर्न के सरी ते बीनी ग **द** य **य** हे
 मा हा राज मे रा **दा** **इ** आ मा हो मनी बीनी
 ग **द** र **मा** हा सत ह से न ले हो ला मनी ची
म मा **म** हं रा **इ** ज **इ** **ग** ल ती र **मा** **रा** म या
म हा **म** दी पंही कुम ती कुत नीले राजा स
 तुल सेन के रा नी सुवर्न के सरी **का** **प**
 दी वस्त्रा को **दे** **वी** कन **म** न **मा** बीन ना
 ग **द** म या **म** व **इ** नी **ह** **र** को पती **द** **उ**
 ता

11321
नाकनवीनामसंज्ञमैरवन लार्धीक
सकीलादेन मनीचीन माठ हगयर
धीसंग पुजा गरीक न पुजा गरी मक्याप
धुअंअलीवाधीकन असु तीगहमंर

मात मरान मदेर वप्रतभमैक नः।

आज्ञाग र्धम या हेमन्तीजन तेरा पुजा

भाव देया मव कु ते स तु सु मैजा

माज्जा को इ धु ह सो व र दान मा ग

कंशक मती क तनी लेवी ती गरी म

या हे य र मै च र म रु मे क न ह दान का

मा गी राजा स तल से न को र रानी सु व न के

न के सरी को र प्रती द्यु ता उमा कन म

सु व कुं मनी माज्जा र म सा न मदे र व

ले माज्ञा ग र्ध म या हे कुं मती क तनी

हो राजा स तल से न को र रानी सु व न के

री को र प्रती द्यु ता उमा कन म

कई न समय लार दुहु ताया पनी फरी
पही बाट ताज सा कोट से हुन। छ सके
भरम शे जा लाट स्कार न थोवर दान नमा
ग अस थाक मर रा न मा ग मनी आ
रा ग र मा हा हा प दो कु म ती कु त नी ले
वी नी ग री म मा हे प र ह ध र म दे वी प्र
स न हु न म मा का छ म अ म ठ क व र द न
ली क न क्या ग ह य रु अ ली च को न स म म
घा प नी राजा स त ल से न को र रानी स
व न के स री को प ती छ त उ ना क न स
क्यो म न्या दे वी म लार सं तो अ छ म नी
वी नी ग री ता हा ब ही म साम भे ख ले आ
रा ग री म मा क म ती कु त नी नी ना हा का
मा हु म मा उ न्या का म ग न आ ती स म
म न्या प ही म व म क या ग री रानी स न न के
प री ले राजा स त ल से न को प्रे व ह स का
मा र म मा को छ म नी सो ध न ला उ न रु

व राजा सतत से न ते अन्ता वम नाना का
मग माये सीरु आलि कदी न समल लाई वी
मोहर को पती छु तना छु मनी ये ती आ
जाग्या रथी म रान भेर व भूत र ध्यान म
या ता हा पछि क मती कुत नो य वा रना
फीरी क न आया र राजा न भया को वेला म
वीती ग दी भया हरनी सा ही व राजा म ना
छी ^{सधैरु} जित ती र मा च जान हुँ छ हामी र
र शीजा त ये ला त चेली मा व भनी क न
हनु प छ को ही लु चा धा र ह र आ र
तेरा जा तार मा रिक न आयो मना छे
सी हामी ह र ले हामी ह र ले क सा ग
रि प ती त रहला त र कान मा हा राजा
आया का वेला मा ह जु र ले प्रानि ह र
कामा राजा को छ मनी प्रानि ह र
वाट सो धी रा सी व क र मा हामी ह

नर वधीया होला मनी वीत्ती ग
 दामा ताहा पछि रा नीम वन नो र
 शिला डकु मती कंत नी को मो हनी
 मो हनी ले व्या प त मे यो करा ता व
 धी धनो मनी सो चो म न्मा ठहरा ई
 वररा मार राजा सतल सेन पनी आ
 इ पु गु भयो रंत वरा नी रु वन के
 लरी ले वीत्ती ग दामयाः ॥ १० ॥
 ह प र म हो ये क ही वी न ति क रजा
 शी ने जा ती री या नी न ति क री है ॥
 सा नो क ह म्या मी क रु ना रा मी के
 भा पु रु ती री या जा नी के ॥ ११ ॥
 म स्य न थ ये ती व न न रा नी रु व न के स
 री ले वीत्ती ग दाम ता हा प छि राजा सत
 ल सेन ल भा जा ग दाम याः ॥ १२ ॥

हस भी हो का व न दुनी जान अ
नम को सुना बलवाट वीन धन को वा
द सु नार दीरी या कुजल नाहि पी सख मु
मन पदु गाई ॥ अस्यार्थः ये ती वचन राजा
सतल से नले आंज गचा को सुनी कनता
हाप धी रानी सुवन के सरिले वीनी गरी
आया ॥ १० ॥ ह पतम हो ले का पुरी राव
ने सीता हरी लाया हें मनी धरी बहुत स
मुजाई ॥ राम रावन संग्राम भयो हें मा
योई स सीरा वन ॥ ११ ॥ अस्यार्थः ये
ती वचन रानी सुवन के सरिले मना को
सुनी ता हाप धी राजा सतल से नले आंज
गरी भयो ॥ १२ ॥ हस भी सी हो ने
से पतंगने शिप सो पा वल पी
रती नै सीनी होई ॥ लाल ह राने
स्ये धु तल वी रती अन का हा
मालिन पाउ ॥ १३ ॥ अस्यार्थः ये ती

रामा सतल सेन
ले आजा गया को सुनीता हा पछी रानी
सुवन के सीर का मन मा को धगरी अ
श्रमया: दो: ॥ हे पतम हो पीरती को
कारन मजी हा मारे अवहम मन्तन
होया ३॥ वी दुद पुरु स मा वन हम
सो अवहम हता करुं गा: ॥ ३६ ॥ मसा
ध: ये तीव चन रानी सुवन के सीर ले ह
थागरे को सुनीता हा पछी राजा सतल
सेन ले मलीन मुख गरे रमया जया: ॥ दो
ह स सीरी हो दु तत पीरती यो गह
मेरी अवसे मुलु के छुतीये: ॥ तीरी का
शान न होया ३ अवह मदेव पुका री: ३७
अश्रुतार्थ: ये तीव चन राजा सतल सेन ले
मसा म मा हे रावी ती मीला ३ मसा तर
ह संझ बुग्य उदा पनी ऊन सा हे हथार
यो म व ती चो र मेरे पती ह तन लागो म
व पछी दे व ले ज सो गली त से व भु प ला
राज ह स को वाट सुन मने उ आ द्या री म

याः॥ दोः॥ हरी श्री हा वहुत तह
अवुग वल ना ही चीन न वु जी येः॥

सुन हो रानी प्रा न हं स को वाट पी

मन य दू ता इः॥ ३८॥ अ स्पा थ ये

ती व च न रा जा स त ले से त ले भा जा ग रा

म या हे रानी त ल को ठा को सी रा न म

॥ मणि श्री लक्ष्मी नमः ॥ ५

नी रा धा को दू शी मा मे रा प्रा न हं स रा

आ को दू त्पो दू शी श्री वी क न ल गे र द

ल चो व क मा ल गे र ध रे दू उ रा हाली क न

धु लो गरी क न म स गरी क न पो ली दी

योग न्मा दे धी म म न्मा दू त स अ थं धो

वाट क से ला इ न क हनु गु व सं ग रा म म

नी प्रा न हं स को वाट भा जा गरी जं ड ल ती

रजा दाम मा ता हा प दी राजा स त ल से न

ले प्रा न हं स को वाट भा जा गरी मा धो

क न गा व सी क न का न ठा पे र सु ली न

को को हुनाले तन को धिपीने नमया
को वेला मा हरी तल को ठा मा गयेर
सो रान मुनी को छरी शे की क तले
रतल चो कमा रा भी कन धरे राउरा
हाले रथुलो गरी कन आगो वाली म
संम गरी कन पोली दी या ताहा पधिर
मास तले से नले मंडु लवाट मन आवी
सं नय गरी व दोवे गले रगुरी कन मा
या रथो कामा प धा ना कन गयो र
मुन था यो मनी कन चर प मरि रमा
को रानी मु व न के सरी ले देयार सार
मली न मु य गारे रवी नी गदी मया हिमा
हारज और महुन का कुवा प के ह द्रम
मा दे भी आता गानु हव सभ नी वीनी
गदी मा ताहा पधिर राजा सतल सेन
ले माहा गदी मया ते रानि ह ते सा म

रहसं गी वृंश मे रपन न रा न
नम न्या प धी म न्या प धी अ ग नी द र म न
ग रे स न यान अ न्या अ धी हा मी ह र प र
दे स आ ड या चार भा र मी ली क न आ य
को बी न वा यो धु ती जा ह्या मा म ये क ज न
ना ड आ हा आ ई पु ग पा मे रा भा र ह र ड
ज न ना क या ती ला ग पा ह न ती नी ह रु ले म
ला ड नी थ ये यो जी आ ड न्या ह त स्का
र न मे रा स री ला ड ता मा का सं दु स न
हा ली ने ल ले दु वा यो द रा प्र म नी रा म
आ ज्ञा ग र्द मा ता हा प धी सु व न के स
री ले बी नी ग र्द भ मा हे मा हा रा म ह
जु र का भा ड ह रु ल ड क सा ग री ची नु
ता म नी वी ती ग र्द मा ता हा प धी रा ज
सि व ल से न ले आ ज्ञा ग र्द भ या मे रा
ड ह र ती न ज न ना ज मी को मे स ग री ड

माह न जे सो गरी मै ले जो न ना जरा
मा चार भाग लायेर ३ न भाग छोड़ी
कन ये व भाग थाथो सौ तीनी हर
ले पनी दुती का कन गाय को ~~ब~~ मे क
जना भया पनी रजना भया पनी ती
ने जना भया पनी जो जने रजना
मागला उपाहन जती जना दुती
ना कन गाय को दुती जना को मा
गले उलास गमाइ जती को भाग ला
ला फेरी ती गीला पनी मेरा माइ ह
ले देख न्या वीती को चीन्हा उपाहती
प्रादाती मा मेरमा उको छा पार
ये अहुत नमो रामा इ हरले चत्मा
हिन मनी कन शनी का दराती मा द
पयी रायी दीया राजा सतल से
नी म तु ~~म~~ या तव तमो रे मी

कनराना सुवन कैसे रीत साजुन
लाप गरी कन रुख मा ज सौ गरी कन
उलो व ता स मा उ दा मा के दा को ठाम
धल दा के त सौ गरी कन भुमी मा प्रच
मुदा भिया फेरी ची सा भ या र त व आ
फला क माल का के स आ फेले चा ती
कन द्या ती थो की वीला पग दा भय
ह पा पी डा ती अ भा गी रह दी ह स्वामी
मला उ ये कले द्या डी का हा पाल नु मा
मनी वो बा द मा नी कन रुख मा ता हा
व द्रो कुम ती क त नो ले के मल व च
न न। ऐ क न वी ती ग दा भ या हे रानी
सा ह व र सा गरी वीला पग री धि नु
का म राम हु न। कन जी द र राजा का मा
त से सा रह द के ले मरी कन द र म रु द
क डले भ न मा नु उ दो गरी दे आ उ द

कर लिये सुपंछिमें देखा है कहने मत
 त सभा थी रुखा गानु बंधीया हु दन म
 वरा गंगा मागे अलान ननु प्र न हो
 मनीवीनी गद्य मा ता हा ज धी रानी
 सुवर्न के सरी कोची हे वु मना कन
 गयो रत व राजा को सरी र लाइ तमा
 को सं दु स मा हा ली ले ल ल दु वा योर
 दुवै जना द वार मानी स्की कत ज
 रा भया त व गंगा जी आ जुग पार त
 व कु म ती कु त नी ले म न्दा म या हम
 रानी सा हे व यो यो गा म च धी ही
 डी कन भे नो मने र वीनी गद्य मा
 ता हा प दी रानी सुवर्न के सरी
 कु म ती कु त नी का मो ह नी ले व
 प्र भे कन दु वै जना यो गा मा च धी
 कु म ती कु त नी ले प री ला र म

क म्पा

मन्त्री गरी धरी दिया रत वमर
दे: ॥ हे देगी या हो हुगी या काठ के
दुगी या मो च धिते ॥ मन प्र गुना
की वहन चला उजाहार हल अधो
र राजा को पानी धात ता तात का ज
हु चा उ: ॥ ३५ ॥ अस्पा ४ यि ती व च न म

कुमती कुतनी ले अनी क व व हुना ली न्या
वीती कै तो दे गार वा धु वे सुले गरी उ
धोर राजा काल हर मा पु गोर त व कु मती
कतनी ले दे गा वहना व धी कन रानी सु
वर्न के सरी लाइ ता हा गंगा जी का की ना
रामा पी पल का ~~व~~ मनी धे रिकन र
पौर मा मे अधो राजा का चर न मा चीनी
गरी मया रानी सुवर्न के सरी लाइ ग
गा की ना रामा पी पल का रुष मनी धे
दे कन मा या को ध व न न पाल नु म
व डी या होला मनी नी नी मा र मा ता हा प्र
न अधो राजा वहन धु स म या कु मती कु त नी ला

इहती धोये।। सल दोसलहा गरीसी
पाउ दोये रतव रानी सुव न के सरी
हेन जां कु भनी राजा गी जा की नारा
माजां द्या भया ता हा प्रांत राजा लेप
नी रानी लाई देवप्राप्त अमात्र गरिमं
दा भयाः॥ दो॥ हेर नीको बर्व जन्म की
रहला नक माई देव देवन दीये हा माजा॥
चल हो रानी रंगम हल मे सुदीन दीये
न आजाः॥ २॥ अ स्याथ ये तीन चत
अघोर राजाले अनि कन फेरी मरु
भया रंगम हलल मा प्रवे सग नम
सायत व पार जो ती स पंदित हल
आजे दोया को द ही उभे द्या भया ता हा
पही रानी सुवन के ^{सुख} ^ल भया भे हेर
गानी पती हो वन रही वर स व ल उरवा
मी के ना मः ~~म~~ मी के ना म स रान त
कराउ न हा तो द्या क करौ लाः॥ ४॥

मस्यार्थ येतीवचनरात सुवने केर
मनीकन केरी मन्नाप ~~इ~~ अ व का हा ज
उला म ~~अ~~ मथाह मा हा राज ह ज क।
मुँक मा ज ती मा पुग्मा को धु मन्नाप ध
म व का हा जा उला ~~आ~~ नै र ग म हल मा
आ उ भवि क न रुकु म रुजु ले मला इ
रायता को मन सुवाह अनो द्यी ये
गंगाजी को कीनारामा येक पौवाव
नाइ दीया स राजा म ह ह स पुन गरीव
कन नु मया द्यी स द व त चला उर हुं
हाइन अ ले नै वोला कारगानु हुं ह मन्ना
द्यी ~~अ~~ व ह था गा शी मन्ना ~~धु~~ मन्ना मा
ता हा न अ धो र रा जाले य ला व चन सु
नीकन गंगाजी को नारागा अ सल व
धीया मला ह र ज ग ~~ह~~ येक पौ
वनाइ दीया रु दान का स रा अ म ह र सी म

तया गरी ३ लामि रुपे आवक नु
भयो ताहा प्रान्त रानी सुवर्न के स
री ले सजावत को दा न दी ना क त
लाग्दा भयो ताहा पछि रानी सुव
र्न के सरी को स दाव त धा नानी
मीत चौ डे चौ बंद जो जी स न्या सी फ
कार सबै भी दु कह रु आउ दा मा त
वुझी से न ची च से न ग रा पा ल ह रु
पनी ३ ज ना आ इ पु ग पा र त व रानी स
वर्न के सरी ले ३ मा गा मो जन सरा
माम दो यो रे ता हा पछि वु मी से न ले म
सामया हे रानी नामी ह रु ल म म
न दी न कु ह ३ ज नाम या पनी गो ज
न का सरा गाम ४ मा गा ना ही रु म र
व रानी सुवर्न के सरी ले आ प्र न्या
मी का व ल न सम रिक न मे रा भा म

को भाइ रहै मे नका इना हुन की
मनी चीह मा ठहराई तवनाई चापा म
संगे भाग भोजन का सरा जाम दया
रभी चो क मा व न उना क न ला उद
मया भा पु प नी द्या ती को द्या पा दे मा
इ क न ग्या ल मा व सी क न रह द्या मा
त पु की से न ले द्या ती को पा उ सा ना द
प दे सी क न ची हें रहें मं द मया : ॥
दो ॥ ते भौ आ हो देखी ये हा उ पु स त ल से
न का पा उ रानी का द्या ती गा ॥ ये ही र
पा उ का नी सा ना रानी का द्या ती मे र
मी के हा मु द ची नु ले उ ॥ ४ ॥ अ रण
ध यो ती व च नी उ मी से न ले म ह्यी व न
पे री म ह्य मया हे भा इ ह र हा द्या म स
त ल से न का पा उ नी सा ना रानी का द्या
ती ना द रानी ता हा मो भा उ न्य पा हुन की

महाभारत ॥ १० ॥
महाभारत ॥ १० ॥
पालले सूर्य हगरी कनची वसेन गुन
मंदा मया ॥ २२ ॥ दोः हवुं निसेन हा
वीराना नुलुक मेमाये हो भोजा असे
नतीन कही पोः ॥ राजा सतल सेन
कारानी कुवे तापीक्षा नीरी लप ३ ॥ =
मस्याथ यती वचन मनी कनची व
सेन ले फरी मया मया हे राजपु वधी
सेन वीराना नुलुक माजा ती भाइ पु
ज्या काद न मना पद भौले य हा
करा नगर राजपु सतल सेन कारानी
हो मना देखी पद हामी हरले पुम
वीरुला मनी भोजा हा मया रत
व चार भागला य १ भाग दाजु
सतल सेन का मनी पर सारी तीन
भाग जा पु ३ जना लो या ल ॥

ज्या को सुवन के सरीले देखो
इह स मा कुरा गरिकत व भाग भोजन
हो आ को दधी कत मेरा न्यामी को अ
इह स मन्या को इना हुरर ह का ह म
नी चीतमा थ ह रा यर ममा आ न दूरा
शम दूरा भया ॥ ४५ ॥ हे प्रदे सी हो
चार हि भाग को मे हे मु मुली न ही भा
गनु मने आइ ॥ एक हि भाग को हे व
हो देख सो ही वाट हम का वाट लाव
॥ ४६ ॥ अस्माथ ये तीव चन रान सु
न के सरीले मन्या र ताहा प ह विजि
सन ल मं दा भया ॥ दो ह र ती हा
चार हि भाइ हा मु जो आइ ये क ही भ
इहा म सो हुत ग या हो ॥ ये क ही भाग
सन ल सन की ती न ही भाग ह मु ल य
॥ ४७ ॥ अस्माथ ये तीव चन रान सु

मैं सतल मनो को सुनीताहा पछी
रानी सवन के सरीले भयो मयाः
दोः॥ हे बुझी सेन हा साम तल सेन
३॥ भामी हमारे हमु को कही गया
हैंः॥ चारहा भार हमु जो आइ उन
सावी हो द भै हमु आइः॥ ॥ ॥ =
अ स्प्रार्थ ये तीवचन रानी सुर्वन
के सरीले मनो को सुनी कन ताहा
पछी बुझी सेन ले मनमा हवमानग
री भंदा मयाः॥ दोः हे रानी हो काहा
गयो हे राजा सतल सेन हम को
चार सुनाउः उन के कारन ॥
सकल पृथिवी धुरी के आगे हम
कोन जरै याउः॥ ॥ ॥ अ स्प्रार्थ ये
तीवचन बुझी सेन ले मनो को सु
नीताहा पछी रानी सवन के सरी
ले मनो मयाः॥ दोः॥ हे बुझी से

न हो कुमती नै कु वं धारा का डक
राजा मरी दीयो है ॥ जौन प्र कार सो
राजा जीवला सो उपाये कह्यो आरे ॥
अस्यार्थे ये तीवचन रानी सुवन के स
शिलभ ना को सुनी कन ताहा पदी
वुझी सेन ले महरा मया ॥ ६॥ हुरान
हो राजा के शरीर का हार धाहे हम के
रया दिजे ॥ सै ह कहि को करी
ये गन स्वउ पाये हम रो ॥ ७॥
अस्यार्थे ये तीवचन वुझी सेन ले
मया ॥ ८॥ ना को सुनी ताहा पदी
रानी सुवन के स शिलभ मन मा आन
दने का गरी उ द्यो मया ॥ ९॥
ह वुझी सेन हो राजा के शरीर लुह
सुर की दसा मा तेल ले आ जाइ सया

हरा। क से करी के जो उवा हा जा
 ने का उपाये करी यरा। ॥ ८॥ =
 अरिप्राथ ये तीवचनरान सुवर्न
 के सशले भन्ना को सुनीता हा प
 धी वु मी से न ले भन्ना भयाः॥ ॥ ९॥
 हे रानी हो राजा के हृजु मी जाइ के
 अजी करी ये॥ वरत सागे करे
 को ये क म् रा दाला सारा जामा
 पीये रानीः॥ ॥ १०॥ अरु थ प
 तीवचन भनी क न वु मी से न ले के
 री भन्ना भयाः हे रानी अव राजा का
 हृजु मी जाइ न त प सा वत आज
 आज रे यी संपुर्न भयो भव यज
 न कि न सारा जाम रन म् रा दाला
 मागी क न त्याउ नु हा ला भुज गरी

संकाय के दो कन्या दान पनीतर से
दान माहुं दुरुज र पनी पालन हव
स प्राह्य सा मन आहा को चाही दे
पहीने दुरु मनी कन आउनु मया व
धीया होला मनी कन मंदा माना
हाप छोरा नी स्व वन के सरी यु सी मे
कन दवारि मागे न छोरा जा का
हजुर मा पुगी मंदा मयाः ॥ दोः ॥
ह राजा न पहो वार ही वर स पु
गो हो राजा न वर न सा गे क रने को
ये क प्र ग दहा लागे राजा मधि जेवा
हने भाज क राउः ॥ पंग अस्मा थ
ये ती वचन मनी कन रानी सुवन
के सरीले फेरी मंदा मया हो माहा
ज आजा दही त प स्मा सं पु न मये

आवय जुगना कन सराजाम है
 सब मग दाला वकन वहु व सवा
 मन मन ~~समी~~ माहा को चाहै ऐन
 पहिने ~~ह~~ ~~मन~~ ~~नर~~ ^{हुरानी} मनी कन आउ
 नुभया वधी होला मनी कन भद्रा मा
 ताहा पधी रानी स्व वन के सरी सु सीम
 कन दवा मागे मद्यो राजा काह जुर मा पु
 गो भद्रा भया मद्र दोः हे राजान पती
 होवा रही वर स पु गो हो राजा वर
 न सागे करने को ये क मग दाला स
 रामे ^र जाम धने ब्राह्मण भज क ~~र~~ राउ
 अस्यार्थ ~~स्ती~~ वचन मनी कन रानी स्व व
 न के सीरी ले के सी भद्रा भया हे माहा
 राज आज ~~द~~ ^ध तय स्या स पुन भया भव
 य नमना कन स राजा महसु १ मग
~~म~~ ~~ग~~ ~~व~~ ~~क~~ ~~व~~ ~~ह~~ ~~व~~ ~~र~~ ~~स~~ ~~व~~ ~~र~~ ~~ा~~ ~~भ~~ ~~न~~ ~~य~~

दधीया ~~हा~~ कोन्वा दि देन जाहने छ यज गार
क्या पीछ कन्या दानमा दान यनी मिमे दीन मा हु
रुज यनी पाकलनु भयावधीया हु छ भदाता
पीछ भयो राजा वहुन सौ तोय भई आज्ञा गंदी

॥ ५३ ॥
हसनी हो जीतना सराशाम् चाई
येतुं मेको तुलनाम राजा सीति ॥
हस्य वादाई भई हो रानी अथरो
आनंद भये हमारे ॥ ५३ ॥

अम्पार्थ याति वचन आछार राजालि भनी कन यज
गन्या सराश नाम से पुगान यौगारि मुग को छंद
समेत दोष थाघार नाहा प्राप्त कन्या दान लीउला
भनी मनमा अली हस्य मान गोर कन का डी सरदा
र भे भा दानर हस्य साथ मादी जीजा के नारा मापे
बोसा जादा भयो नाहा पीछ चीत्र सेनले यजको
आर भगन्या रत यवु धी सेनले भदा भया रानी कु
नी कुनी चीत्र सेन गुन पाल ममेत पजना मुगका
छंद मावीस अरु राजा कात्री भो सुंदार भई
भारा दा ताह वत्स पनी हु छ भया पजना
मुगका छंद माया शिता हा पीछ चीत्र सेनले
नी यजाम पुन गचचार अथ कन्या दान भुजा

215. NINTH HUNDRED AND FIFTY
THREE

श्रीगणेशाय नमः ॥ १ ॥

Handwritten: "The 3rd 18th 20th"

The image shows a single page from an ancient manuscript, characterized by its heavily stained and discolored parchment. The text is written in a dark, illegible script, consisting of numerous small, stylized characters and symbols. The script is arranged in several horizontal lines across the page. The left edge of the page is torn and ragged, and the overall appearance is one of great age and historical significance.

हो भयो भनी देखी मपुन मचा अंधा राजा
झाई हात थाप भन्यार अंधा राजा ले पनी
हात थापा पाई चीउसनने न्याम गको छ
लामा मिय जायो यह हो छुमि भयो भँदा भया
॥ ५५ ॥

हे मृग छाला हो रुमा मरो म
जेहु बेरो छाला हमको उदाई
केले जाउ लुहा गज मे मो ॥ ५६ ॥
हार हाँले मल ले मेन का म
मृतक मी हरात कप डुवा ॥

अमार्थ योनि वचन भन्या बीती के त्यो म
गछाला ले पा चै जाना उ उदाई आका
ममार्ग गीर उदाई ले जी दामा कुमारी
कतनी लाई रिहाला गोर गव रानी रव
वन के सी लाई दुवे हात ले अगा लो
हारि कन वस्य भया ना हा पाई अंधो
राजाले कन्या दान लिन भनी हारा पर
माचा को रातो मृग छालाले आकास
मार्ग गीर उदाई ले जी दामा सा हे आका

ओमानी राजा कांडा मरा दार भै मारा दार हार
ले आका समा हो र गहिदा भया ना हा प्रात
गुहो से नले कमनी कुरनी लाई भदा भया
हेक मनी कुरनी भाउ जुइरानी लाइ अघोर रा
मीर ले जादा मनी मो लाई करि गह पे जा दी उला
भन्या को धीयो भुंदा मारा हा पीछे कुमारी कुरनी
भनी दो भन्दा भया धोर रूपे जा दिला भन्या
को धीयो भन्या जो मुख ले मात्र धोर रूपे जा
दी उला भन्या को हो मो ले धुं देन हा ले ये
मी रूपे जा दि उला भन्या को धीयो भन भन्दा
जो कु मनी कु मनी ले रानी मुवन के सी लाइ
लाइ अंगालो हाली राखा को दुबे हाल की को
ये नी रूपे जा दी उला भन्या को धीयो भनी
हाल ले गीर देखा उदा मा ला हा पीछे स्पोंद की नी
लाइ गुहो से नले छाती मा हा ले ले हनी रा
हा वा रा स सालि दी या अघोर राजा का म हा
मा प छादि कन गयीर नवन ब द्वार ले रा न रा गत
छादी कन मूतू भयो सो अघोर राजा ले दू भा
र सलीन भै कन आ जिन स करि गन लाया
आ कना द धीर फीर मा हा फीर ननी की मा

ना वम्दा भया साहा प्राश ४ जना लुहा गगना
पुष्पारनवरानी सुवर्न केसी राजा को मूलक
मरि र राखे को सामा को मंदु सु देखा इ दिया
र साहा पीछे गुन पालले मंदु सुवाग को की कल
वी धाउ नामा मुलाई कन से तो पक्षो दाव धा
इ कन नल चोकमा भम गगना को भाउ मा देता
कन उाँदा सानु गकदा फूलाम पारो राख
आफुना गुह लो दिया को मंत्र ज पीत स्वो र्व
गविनाई मो जो ग ५ भ-दामा राजा मतल सेन
ले हाई मेरो यमो कामी ~~को~~ धोनी च भनी
जागा भया उ थी कन हे दामाल ब बुद्धो
सने ची तलेने गुन पादा ह ३ जना वा ले
रहा को दे पार न वसा हे आ मज्ये मानी
कने भे च भया हे भाई ह ५ दे लो मी ह ५ गा
हा के ले दो ध आइ पुष्पा को थी यो भनी
स्वे धार साहा पीछे बुद्धो सनले बीली
भया ह ५ दो ज्यु म ये म करानी भाउ
ज्यु म ग मो धनी भया बीसा सवै कल
को डा हे होला भनी वी ती ग ५ माता
हा पीछे उाँदा मतल सेन ले आफुना रा

नीलाई आजागदी भयाईरानी मेरा भाई हर ३ ज
नाके दोष जाहा आइ पुगो भनी सो ध्या राहा
पीछ रानी सुवन के सीले बीलीग हा भया
हेमाहरा राजा हरने प्रीत हन को वाग मडी
भयो थोत मेमन्यु भैइ वहु भोर मईले मडी
वमोडी मरामा कोमि दुसमा राधी लेल दो
डुवाइ राया ध्याने स्यो कुमारी कुतनी ले
मलाइ अंधोर राजा कामहर मा पुचा यो राव
मेले तपाइ का भाई हर भैत हुना का आता
ले अंधोर राजा सीर भनी मीगा की नारमा
येक पी वावई सदा वत को दान दीना कन लाग्या
नवईनी हर आइ पुग्या तव मेले ३ भाग भोजन
कामा जाम हर दोयार राखी पीछ बुद्धो सन दो
हामी हर ३ जना मात्र भयापनी भोजन काल
मराजाम ४ वा भाग चाई भनिया तव मे
ले हर एक मडी समुजी केन च ४ भाग
भोजन कामा जाम दीई भोजन को कामा जाम
नवना ३ नाकाल लाग्या मेरा हानी को हर

के पाउ का दवा पा देवाये काल मा बलि
हो रई दामा ^वमलाई उदु मेनेले
वीहि कन भाईमा सहावाल चीतगी
येक व भाग भोजन छोरी देवानला
ज्याको देवदास्य मेले पनी हुके
भाई हुनु भनी नीम्वैये थहराई सोध
पुछ गच्छा सलावाल गदीनी अयेध
हो मजी जिलो गी वारा चीतले अछो राजा
झाई के बादान हुँछ भनी हारा थापन लाया
तव चीत्र सनले मृग को दालामा राखि कन
आकास माग गरी उदाई ल्या उदामा पुद्गे मेन
लेप्पो कुमति कु ~~र~~ र बोर्डि किनी लाई दाती
मात्ता तैले हानी सब साली दीयार तव गुरा
पालले हजुर लाई जागा गर यर अव मेले
हजुर लाई दसन गरी कल चररा नत वा
ममा पार मेरे मन आनद्ध भयो भनी वी
नि गर्वा माता हापाछि राजा सतल सेन

ले आजा गया भया हेराती भार हर हो या
धुब प्राया को वि हो दमया को अ रुक सैल
पति हो इन आ फना देसा को फल भक्तमानग
या की हो अवदा भी हर को देस पनी व धीया भास
वे जन की भरा द्या पनी भो जया अ य द्या मि
हर को राज्य मा जा उ भनी कन आजा गदा ता हा की दे
रानो सुवन के सी हले वो ती गदा भया हेम हारा जा
यो राज्य पनी व धी धो ध भया पो ध हानी हर गदा
पनी यो राज्य उ जार हुन जेना धन सथ यो राज्य मा
वसी वसा हो गया दो ध व धी या हो द्या भनी धी
ती गदा मा मा हो पा धि राजा न ल से न ले आ जा
गदा भया हेरानि ती सी वा वा महारि कु न स
दी सा मा गदा को ध भनी आजा गदा मा ता हो पा धि
रानी सुवन के सी हले वो ती गदा भया हेम हारा जा
गा हा या राजा पा धम सी गया व व ह लाई मा ग
का हा वसा को धन म लाई ~~म~~ धा हो धेन
भनी ती ती गदा मा गा हा पा धि राजा स र र
होन ले गुन पा ड लाई आजा गदा भया हे मा
इ गुन पा ल ले सी सी ले वे म ग हा ल ली

वीडुली राजा काजी सरदार मंच हरु जो
पाकीरू को प्रजा हरु का हा वस्या को
छन पता लगाने तोम गदलामा राभी
आका समान लेउ दाइलाउ मनी साजा
भयोर तीमी ^नइ पुगपा समु हामी हरु
सवैजना आही वसी रहला मनी साजा
गर्मा ताहा पछी गुणा पाले पनी हव
सभनी कन मग दाला लीयर डंद वतग
रीजा दामया जा दामा मात वुकी का
नदी ले तपस्या जनला ग्राको थाउमा
पुगपा तपा थाउक सोरेह भन्या अत्य
तवाधम मालु हाती गैर मग सीध वने
लसहीत गरी कन वरी का जे वी तपस्या
जन किनला ग्राको इषार तव गुणा पा
हले पनी बहुत कस गरी वधी का नदी
आउन्ना जान्या वाता ^{मा} काधा कम्ब
रहरु सवै वधारी कन सेवा जन लदगमा

रता हाप धो व दो का चू धीले मेरात मर
मर्मिकन नामका को दे ध्या तव गुरा पाले पनी
धर्म कसले लत दो हे छु भनी ध्या ध्यान हलीले
देदी मात महा दुष भक्त मान गी कन गुन पालले
स्पवा गी को दे ध्या व धी की धी धी से भै आजा
गदी भया हे गुन पाल सी मो भ की देवी कन
मव हु रौ प्रसन्न भना अव उया वर माग्या को इ द
लो व दान माग भनी आजा गदी भया ता हा प
धी मनमा आग दी गी वी नी गदा भया हीर धी
धर आरु थोक व दान क्यो माग वी जुली राजा रान
का जो भार दार हरु का हाव म्या का छन येनी आ
जा गी वक्तु न भया दी धव धी पा हो ला भनी वी
नी गदी माग हा पो छव धी कारी धी बहुते धी
भये आजा गदी भया हे गुन पाल सी मी धन्ये
हे छ वी जुली राजा न रानी का जि मरा दा
हरु जो वा की र ह्या का प्रजा हरु सर्वे जा हा बदे
धी चो जो जन मा मरो वरो भया का जगामा
हा दुष भक्त मान गी वी से र ह्या को छु अवे दे
धी वी जुली राजा रानी को समस्त नाह स उत
म कल्याण हे छु स भनि कन नाना रा र हरे

आमि वो दीदिताही जाउ भेन होला भा
नी दीदा दिचार ताहा पीछे गुन पालले
बधी का कीवई हवत पुनामगी वन
जान्दा भया वराय जीदा जीदा मारा मरे
धरो भन्या को जगामा पुग्या जय वीजुली
राजा रानी हल्लाई दीव कन गुन पालले
दसन गोर कन बीनी गदी भया हम हारा
अराजा सत दोसे न ले त्वहा मुदे त्पे लाई
मारी कन तपाई हल्लाई लीन च थाउनु
भी नयम आया अब सेवे जना राजा रानी
काजी मारादा हल्ला जीवा की रक्षा को प्रजा
हल्ला सेवे यो मृग को छासा मो वल्ला भया
देवी वंधीया होला भनी बीनी गदी मा
ताहा पीछे बीडु ली राजा रानी हल्ला सेवे
बहुते सुनि भयो भन्दा भया धन्य
हल्ला लसे नरे राजा रक्षा छर देगन
पाला तीसी पनी चने देछ भनी सेवे
अन को गुन प्रकास गये राजा रानी
काजी मारादा हल्ला जीवा की रक्षा
को प्रजा हल्ला समरा सेवे जनी मो मृग

कोइला मावसा भयुग गाइ पाइ गुनप
लोमगाका इला मा के अतीर मित्र जय
भदा भया ॥ ५५ ॥

हेमगइला होगुमारो सरो हुच
तोमगइला हमको उदाइलो जाउ
॥ लोहागत मे जाहाइ ली सरल ले
नताहात कपहुचाउ आज ॥ ५६ ॥

अत्पाथ घोरे वन न भन्या वेती के पोम इला
ले सवे जना लाइ आकास मार्ग लो उदाइ कन ल
प्या लव हागत ममगी तव राजा सतल मे न ले त
रानी सुवर्त केसी लो वी जुली रात्रा के रानी
को दर्शन गी सवे जना लाइ चर्ता अगु साह
र घेत बांदि डी कन सवे जना लाइ रात्रा गर इपो
लोहा गत वसाये वसाये तय सवे जना लो
धन्या धन्य भनुराजा सतल मे न रहा घर
भनी सवे जना ले गुन को प्रमगगी माहा आ
नीद ले कप भया गाहा पछि वीनु लो राजा
सुनी ले गुनी सुवर्त केसी लाइ वीधी पूर्व
कलंडु वीवाह गी दीया तव राजा सतल
मे न ले आज गदी भया देस राउ पु

रदोन भयो बुवा हर को दसन न पायो
को अवादिदा वक्तु भया आक्रा राज्य
माजा न्याहु भनी वीती गदी ताहा पीछ
वीजुली राजाले आज्ञा गर्दा भया
हेजु वाई यो राज्य धनी तपाई के हो भया
पीछ जाउ भनी आज्ञा गर्दा न हवस
हाम्रो कोछ छोरा भया धनी छोरे भया
धनी तपाई हरुने हो तपाई न भया पीछ
चन्द्रमान भया कोराती जसो हो हरा
मी हत लाई हुन्याहु भनी आज्ञा गर्दा मा
ताहा पीछ राजा सतलने नले वीती गदी
भया हेसु राज्य त्यसो आज्ञा गोर
नव कपोस जुद्धो राले आक्रा वक्तु भया
तीर त्याग गोर कन मुख भोग पीछ लाग्ना
कोछ पोछो राजा हा समस मुड्ये चन्द्र
रई हरा हा समस आघोर न कमा
जान्पाहु वक्तु बाडो गई कन बावो सह तीर
को दसन गोर कन पुरी आउला भनी
वीती गदी मा ताहा नाछि यस्तो वक्तु

न मुनीकन बीजुली राजा रानी ले सह बा
र सम पुन्याई आ फुल से वै दा वा फकी गइ न
नाहा प्रजा जादा मात वा तो फा बत्पा को धाउ
मा पुण्या तव राजा सतल से न ले आजा गदा
भयो दे भाइ हरु को वो दुद भया को ये हि दोष
होला भनो कन जा मात फुल राखा को धाउ
पुण्यो तीमी हरु ले फुल छे र गमा को धाउ
ये हि दो की भनो कन जा मात वा स मा पुण्या
र राजा सतल से न ले आजा गदा भयो दे
भाइ हरु हो अव हाम्रो राज्य को नगी चमा
आइ पुण्या भन्या पो छे पो वा स मा सिका खोला
कन जा डला भन्या मात हा पो छे से वै जना ले ख
बीया भनो सुवर्न के सी चीत्र से न गुन पाल
दे रा मा वस्या राजा सतल बुद्धि से नी सि पा धेलन
गया मग मो ग मो कन न्या या राव रानी
सुवर्न के सी से वै थो क से स दादा लोक न पका
या से वै जना ले मग कामा मयाई कन जा दा मा
न आ फुल दे स को न जी चमा पुण्या तव राजा स
तल से न ले आ फुल वा दा लाइ ची थो ले पो प था
या तव राजा बंदू सी हले नी थी बोली दे दा

मैं दसौता माग याको मेरा दोर ले सुवर्न
केस भयाउम्का नाउ सुवर्न केसी भन्या
कोयोवाह गोर कन आयो भनी आफना
सरमा जाँत्रे भयाको नाच गीत वाजा
होते छोडावाग आसागुज पाली के ह
नाच वर पया दिके कन गयार राजा सरलेसे
नलाई हारी माराखेर बुद्धो सेन चौत्रेमे
गुनपाल हरु लाई वगी माहाले रानी
सुवर्न केसी लाई पालकी मारा भी
नाना राहको नाच गीत वाजा उत सब
गीत सीधु जात्रा गीत कन दवा मा
प्रवेत्त गरायो तीको गंधी पनी राजा
सरलेसे नलाई दियो आफु उत पत्ने
भाकोत पत्ता गनी कने श्रीचा भयाता
हायो ह राजा सरलेसे न बुद्धो सेन चौ

त्रलेसे गुनपाल हरु लाई जाईको
पगी दी चो बरा लजे व धाई महा
पद्मा आनंद ले राजको प्रतीति
नागी सुष भोग गीत वत्ता

भया ॥ ५३ ॥ इली ~~सु~~ डी राजा सार

सेन ले मन मंत्री गुदो सेन चीत्र सेन गुन
पाल पाष्या नमि पुन स माय तम ॥ ॥

राज भजन म ॥ ॥ देखो ओ दे ओ वाला जो
गी दार हमारा आया हो ॥ १ ॥ कैलास पर्व
त चले माहा देव मथलो के आया हो ॥ घर व
तो दन देवां व की भी छा आगरा आया हो ॥ १ ॥
अंग वहुत गले रुद्राक्ष माला से सना गाल पत
या हो ॥ आनत पहिरे रिल क चंद्र आजो जी जन
क की राया हो ॥ २ ॥ ओ द्याली ये नी कस्य नंद
राणी कंचन थाल भयाया हो ॥ ले हो जो गी आ
ना क से हामारे गो वाल जी दयाया हो ॥ ३ ॥ न
चाइ न ये तरे दो छल छ दुनी न चाइ ये तरे
माया हो ॥ तेरे गो वाल जी का वाहर ^{लगा} ~~मन~~ दर
सन आते र आया हो ॥ ४ ॥ वाल बली ये नी
क से न दराती जोगी न दरसन पाया हो ॥
तीन ही दफे ^१ सो मा करी के सी छे नाथ
वजाया हो ॥ ५ ॥ चंद ज सो दाधरे ते माय
यो वाल वतु मने आया हो ॥ तीन ही लोक

की अंतर त्वामी वात य रूप देखा बाहो ॥ ६ ॥
 मे अंधा स हाव द पावे तुमारी पद पाया हो
 ॥ मे दा हा को को दीयो भरो सा हरी चरने
 ची तलाया हो ॥ ७ ॥ स्वसि श्री गरो इराय नम
 स्वसि श्री सर्वो प मा जो उपत्ता डी स कल गुरा
 गरी य राज भा ए सा मय ॥ ८ ॥

ॐ

सुर्व न पीज रावै थे कागा अ म त भोजन धार
 चारे सु द्वा प दा वत कागा अ म जात सो आ
 हुनी जाय स्थान त्वंच म गा त्वंच वा त्वंच च त
 तथैव च सी ध्र त्वंच म या क या प रा स्थानं भवी
 षेती ॥

की व त ला पा ३३
 पु नी स ला प व ९
 पु नी पु नी जी गु ५
 क ल स गी ९
 ना ग प ९
 ग धि गी ली
 व धि १ क ठा
 क ल १ ६ स्त्री

की व च लो स्त्री १० वाम
 दा प र्वा ५
 अ दा अ पा ३२
 क ल स गी क सा गी
 ध र क ल का प ना ग
 अ
 पु नी पु नी पा व ९९
 मो ली
 मी ल

नी गरी शाये नमोः ॥ ॥ अथ जन्म गो ताली ये ते
 दुते गदही मो लो कर्म वा ना पनी तेजे वैष्णवा ना
 च गरी हयत । अन्ना या सो प्रजे तः । जम राजा ले दु
 त कर आ हा गन्नाः हे म् तथा हो जम का दुत हो पृथी वि
 मा जा ई करामनुषे लोक लावः ॥ जो वा पी दुन तनु
 ला ई त्या ई करान कानि मा राय ना लाव जस्का पाप
 दु सो हि सा खी दी करान कानि मा राय न लाव
 ॥ वीष्णु कम भ या को सी न भ की भ या को तो मो ह
 ल ला उनु ता क्का हेनु पी न हेन वा दी ला व ॥ वीष्णु भक्त
 सो व भ की के हो न भ या को देवता को पु जानरी या
 व्या वृ दान के हिल दो ~~मन्ना~~ के होती यमा
 अ ~~व्या~~ न रा गन्ना चोरी यान्ना अर्का को वसु ल्या
 यो भ नि हेरा न स वन्ना अर्का को वसु न दो क न
 वल ले हात हा ली यान्ना वे पार गन्ना करण चुती
 गरी ~~दो~~ नाना ॥ भोजन गदा मा देवता ला ई रा
 प हा ई यान्ना ॥ नि व लिल ला ई अ धा ई यान्ना अ
 का को मि हा रा त न दो या ~~पामि~~ ची करण भी क
 मा गरी आ उना करण छ दो म रा गरी ~~दि~~ ना को
 हा को हो मनुषे कण हि मा त गन्ना मा म्म अ उ

नाक सा चुकी गरी दीना अकथिा इ के

होमान अहु दा हाशी दीना ~~दि~~ उला मनी असो ग्ला

यो रन दीन काया काय मर प्र दोमया को

वस्तुधाती हेन भनी भन्या वस्तु मानुये माना

चारी हुन काय रो हो अथा को पा पा न्मा अध

मी प्रयाग का कार्य ना सीधे न्याय का को वस्तु

दुवा उन्मा दी चलाइ काम गन्मा ली माइ न्या

माझधी स्क्क कुरा पंक्षा रो शाकुरे गन्याकि

गालमानीसमनीहलागनीनगुरुदेहागनी

मीन दो ही गन्ना य सा अ ध मी ला इ कै ले इ सु रा नी

देयन्मा थाउमा ल्या इवन नकोन मासंसे देवाइ

राधेनुवाही हः मनीजम राजाले माहा ग यो द्यु

उवाच ॥ कीरुप वैरुम वानाच अवे इम वा शागत्त क

था प्रभुता तद्वत् स्त्री तु मी घात नो ब्रह्मचमे प्रभुः ॥२

जन्म का दुत हर ले जन्म राजा देव बीती ग यो हे

स्वामी प्रभु हमी वीत्तीगछे ३ मा फगुन हवस

वीरभक्त सीव भक्त भयाको पनी हामि जादि

नौ पावी पाजात्मा पनी जौद नौ इन भक्तो को क

सौर पद्धः अन्ना के द्वा च र्शा पूजा गन्ना को

कसो रूप हुँदः कसो गरी वरुनः प्रा.
मनाचा राअ धमी को कसो रूप हुँदः। कसो गरी
वरुन का था नरुन का क मग हुँदः मनी दुत
लेवी नीगान्याः॥ यम उवाचः॥ प्रती प्रता गरी यस्य
सते वादी सदा नर अती थ पु ज्यते नीते दीया चक्ष
नमीलयतः॥१॥ जमरा जाले दुत क्षेउ आजा गान्या हे
दुत होक सैका घर मा भया पनी अस्त्री लेमा फुर
यक्षे उधर्म गन्या पुरुषको सुसा रग न्या गोरा धुन
चना मत बान्या भर्का लाइ केहि काय भास सप्र
दा की होव सुभा मन आ उदा भया को वरुनः मनी
काम सारी दीन्या पैचो भया पनी उसै को लेयो भ
यान्नी नीसो जम मुख संग रुम इति था उ मा मा फुर
पुरु सीत सते माचो गरी बोल न्या अरु भलो मदे
आ उदा मुख उजा लोग रीग हय भगिन्या नीते पु
रुय पुसी गरी घर क लह राग न्या पा हुना आ उ
दा भाकु ची दु दो मन नग रीनी पुग री या
न दीनस भा फुर वरी यार कन अती त स न्या सी
कननी धा दुवा कन खात दीन्या कोहि भक्त ज
रा कन पुजा गरी भो नर गन दीन्या रुकी सी ३
भरी धर्माभा होत स्वा घर मा नजा उती मा ६ रु

ले ल्याउ नुता कथा हेनु पनी देन ॥ उन का ध रज
या ॥ कपी लाया लये धेनु गोम घग्गे लीय यत
री अंतु रव रुपेम दोला चकन मो लय तः ॥ ५ ॥
धर माके लाइ पालन्या गोवर ले नीते धली ले
पन्या देवता को सो रुपेले येन स र पुजा गन्या अ
र फलु नीत पुजा पाठ गन्या आ पुले वो ल्या को व
चन थाम न्या ॥ भलो मानी सभैक न स ते स ग
कुरा गन्या अमी थान वो ल न्या नरा मो कंगा ली
करा पनी हेला गन्या तुला आवा थो माना मा पनी
न थ क न्या आ फना आ सम मा व र म आउ न्या कः
न अमी थान गन्या रक्षा गन्या ॥ को ही मानी सते
वी स्वा सग न्या को गु वत गरी दीन्या मानी स राना
स न्या धर्म को चीत गरी व सन्या दुष न दे न्या गा इप
ल न्या ल्या ई कन अथ वा गा होय दा स चीता गन्या ॥
आ क नाजानी कन का भग न्या क से सीत के हाव
सली ना दे नागरी धर्म सीत ली न्या दीन्या अनी का
ल पयो मनी अन को भा व ल ध ताई दीन्या दे स का
भंदा रेकु दुई पाथी बद ता दीन्या प्यर का रवा शमी
का कु राव सुनी काज शाना मानी मन ना स न्या
रि सा मानी स ध मा न्या हु नः ॥ त न का ध र न

गयासः॥ तीमी हरले हनु पनी देनः दारी का ग दकी
स्वेव सीला या आचने सदा यका ने कृ यत जाय द्रु स न
धन मील यतः॥ ॥ दारी का को द्या पाला ग्या का नीते
गंद की मा आ सान ग न्या भी क म म न ड म ड म सा
ली ग्रा म को पुजा ग न्या नीते यकां न मा जय ग न्या भी
क मा ग न्या क न तु र न तै द्ये न्या य न ग न्या प द्ये प्र म्मा
स ग न्या ॥ अर्का को व सु लो भ न ग न्या मि का को चु क ले ती
रा ग न्या ए सा म नु वे व द्या ध म ली ॥ हु न् पु स क ले य
न्या देव ता को पु जा ग न्या देव ता को मु नी ले य न्या के ही
भ स्रु ती वा ठ ग न्या ती र्थ जा चा ग री ही द न्या व्र त दान ग
न्या सि धौ स द्या व र च ला उ न्या व तो प द्या रो पौ वा व ना व
न्या आ न न पा उ न्या क नः यान दी न्या य स्या मानी स द्य
मी मा हु न् य ला मानी स ती मी ह रु ले ह न् प ना दे न
ना म ली नु प नी दे न जा नी ल्या वः॥ इ ती शी य म डु त स
भ्या दे प्र य म द्या य र ॥ ६ ॥ गी त वा य हरी रंग तु ल सी
मा ला वी भु षी त म ॥ सं य च क ॥ ग द्या भे ष दी ष च द
न मी ल य तः॥ देव द्या भ जन ग न्या सी व गो वीं द र म
क र्म भ मी व श्या भं ग मो र्थ य च क को द्या पाला ई
व श्या को म ती वा जा व ज्ञा ई व श्याः हर ना म म ज प न्या दे
व ना च ग री व श्या सं य य त जा ई व श्या देव ता कु क री
व श्या देव ता को क था सु नी व श्या ची त मी ला ॥ ७ ॥

नातु सीकोमालाग्रपन्नाः तुलसी कोनाम ले
समेरनागन्ना तुलसीको जह्कोव पाठ गरी
हन्ना हरुकोनामलीन्ना अंगवी भुती धाने गरी
नी माया भेद्य मगन्ना अहकार माफा ली लोक
संसार को रक्षा गन्ना मेक चीत गरी परमेश्वरी को ॥
ध्यान गन्नाः यज्ञा मनु बेती मी हरुले ल्पा इनुता
काहुनु पत्नी देन ॥ अग्नी होवी गह्वर स्यवे द
द्योषरा तपूरम ची काले कृपते संध्या दीव्य
क्षुनमीलयतः ॥ जस्का धरमा अग्नी होवा दी यज्ञ
गन्ना सिदावे दप्रह कोची काल संध्या जो गगन्ना
इमनु सेवन ती मी हरुले हुनु पछनी देन ॥ तुल
सी यस्य कंध्या यजय कृष्ण चतते रम गोवीं
धाय ते नीते दीव्य चक्षुनमीलयतः ॥ जस्का धर
मासीर मा तुलसी माला धारना गन्ना को द्विजे
दीन प्रभु ती कृष्ण कृष्ण भनीर हृदय मनमा
गोवीं द्य कोनामलीन्ना उक्तरा ती मी हरुले हुनु
पत्नी देन ॥ यत्र स्थाने भुवास्त वा तुलसी वनवी
भूषीतम् धात्री द्या याता माथीत दीव्य चक्षु न
मीलयतः ॥ १॥ जस्का धरमा अमली तुलसी ला
या को द्विजे चीत गह्वर वाहती मी हरुले हुनु
पत्नी देन ॥ इती श्री भक्त मंगी ता समा देना

म दुती यो ध्यायः ॥ वीं बीं ध्यातुं लसी सेवा य कुं व ते
दाने दाने ॥ कल्याण कोती सह आ नीत व सी ता हरी
पुरे ॥ यो वाल व तुल सी को सेवा गन्मा जो द ते स्का
धरमा हरी को पुरी हो त स्कन कल्याण २ भासी क
दो आ उनु ॥ तुल सी रीत न प आस द नीते के स को द
यः ॥ के स वा था वी - चीं जी श्री वर द्यु व सो भने ॥ ७ ॥
तुल सी को चर नाम त ती न्या स द के स वा भनी रह
न्या के स व को ना म ले व न्या पुजा गन्या जो द सो म
तु ये वृ ह लो क जान दः धची फल वी ती सा गते
नं ना राय न म ताः ६ ॥ अमु म ला का फला हा र ग न्या
अ म ला का गे द ज न्या अ म ला को मा ला ला उ न्या य
ती म नु ये वी श्मु का बी या र हुं न ती म नु ये ला व ॥ वे
ल प व स्थी तो वृ ह ला वे ल मु ले स दा सी व वे ल सा सा र
स्थी तो वी श्मु क थ के ज्व दे व ताः १० ॥ वे ल का पा ट मा
ब्रा ह्म न व सा का द्द न ज र मा ॥ महा दे व राजी क द्द न
हां गा मा वी श्मु व सा का द्द न का ठ मा ते ती स्को नी दे व
ता व सा का द्द न ॥ वीं फल का मा थ अ म र न्द पर म र
म प नी च मा थ पुजा गन्या वे न् व र्ष शी द्वा द स
ती म नु ये ह र क न सु फ ल हो लाः ॥ अ म न म त र को
सु यी हो ला वा रु व व को पा प दु ती वी क य ज्ञा ॥

मनु रुद्राक्षे स्रवणा वध्वा कंठ मलके करे
संवा ध्यायत दीप्ता च धनु न मिलयत ॥ रुद्राक्ष
माला मंत्र से मचले का रामाग ग्रामा कपाल
मा हातमा जघमा लाउना हरी सीव को पुजा जा
ननिग रमा वला अरु देवता देया क्षमा हुना य
सामनु मे कन ल्याउनु है ॥ परमेश्वर को भक्ती जन
हो प्राणी हो ॥ रुद्राक्ष कंठ क मल ध्याच मानवा
धामे स सा सो यो ॥ रुद्रा कुशुरी स्त्रै व जा धते ना
च स संयु ॥ रुद्राक्ष ध्याना गन्ना ज द्ये तो सी
व को पीया सहः सीवलो कजा दन रुद्राक्षे सी
रको चक्रा स्मि दस कोती कम सत कोती गले वी
चास हस्त्रावा हुज द्यो ॥ सीर यक कोती
कान मा दस कोती गला मा सात कोती हज्या
र दुई वा हु मा सय सय ॥ जघ मा रुद्रा थो धा
रना गना मनु ये कन व्रह्म हया ला गना को मनी
भया पना सव था पद्यु ती सीवलो कजा दन तो
मनु ये साव को धी थारा हो ॥ इती श्री जम गीता
दुत सम्भा देवती यथा यो ॥ इत उवाचा अत
पुन प्रवक्ष्यामी य मराजा स्मवी सा र म वै
रुनवाना चारी सी यममेव य या प्रभु ॥ इत

हरल जम राजा था हावो तो गन्ना हेमा हा रा
जहे सागी तो मा दया ले धर्मा भा को वी सा र व
रा स के उ ॥ अरुप जी वी तो ग दौ उ पा पी पा पा
मा क सा रूप हुन आजा हव स जम राजा मा इ
ग दन य म ह वा च ॥ पा पी ये ची न मे हुनो वि धा
तो पा प कम नी ॥ भ दली आत्मा थाती रग्मा रा म
नर का ल ये त ॥ जम रा जते दुत ह रु क न अ भु या रु का
ह भ त्मा जन ह पा पी व का कुरा वी स्तार सीत म क ह
हु सु नी भ दन को हो म नु य वोक सा वो क सी भे क
अ का का जी य मा द द्य ग न्ना र स्ता पा पी व क न ह
द म क र की री को द ले क ल ह जी जी का जी की जी म
का ती हात उ ये ली सो इ मु लाई अ ग त म मा फे ला हा
ली घी स्ता इ हात व ता वा धी दो र ले वा धी आ या के
री को द ले हा नी क न म क मा व धाई रा य न अ का की
जी उ ली पा लाई तर वार ले का नी दाला का ती नु म च
क ला ई स्ता ल क न व वा व ॥ स्ता म नु ये अ ध मी पा
पी पा मा त्मा हुन य स्ता म नु लाई क न न क मा रा य न
अ का की व सु चो न म लाई ज्मा पा यो मा की द हे री वी
चार गरी सा सी गर वी द्या चो न म लि र नी त लो न म ला
इ मु व यु नी आ या री की जी म का ती ना य थु नी रा य
अ न चो न म लाई मो के पेत फे लो रा य दा म चो

ताइ बीसुल मा साउ गराय रुन चोन्पा
भुन भुता यरा नीमा हा ली राय ता वो चो
लाइ गो रुले कुल चाइ सी गले ह लाउ दे रा वः ॥
कास चोन्पा लाइ काग मा भु सुलीले कुती राय
कला म चोन्पा लाइ हा त कु हाइ राय वरत्र चोन्पा
लाइ नांगे ची सापा नीमा क दाइ राय कया कया
स चोन्पा लाइ हा ला काती क मे रे माता घसी राय
मास चोन्पा लाइ हा ला काती उरै काता उको मास
युवा इरा यवा घ कन युवा वः अ दु का चोन्पा लाइ हा
त काती देउ हले दो चोन्पा लाइ आषा हो की युता का
ती राय हरी ता र युवा इरा य मास चोन्पा लाइ आषा
हो की रायः अतमा स चोन्पा लाइ रगत को क सो हो की
रायः केरा चोन्पा लाइ सै दी की ती मय मसु पं दी चोन्पा
लाइ वासा माहु दइ पींग खे ला जे रा सी सा सी दी रा
य गौ हथा वरुम हथा अ स्त्री हथा वाल हथा थरा नी
गी ये गी व हथा वसन मजर काल यत ॥ जो हथा ग नरा
वाल हथा ग नरा जो रुकु ल न्याइ कन गला माय मा
दारी ले वाधी को दा ले मा सी कु द इरा य व हथा
ग नरा कन सी या को दया मां हिय इहा त गे दावा धी
मासु व का या जे तल का क हाइ मा पे का इरा यः श्री
हथा ग नरा लाइ क ला म को ची उरै रातो गरी को
ली संधी माहु दइ देउ मा इती श्री अ म जी ता बुत
स म्मो दे व यु यो ध्या यः ॥ अ रु अ रु अ रु अ रु
कन वरुनी ह ग मा ग ग नरा कन कला म को

मैं वृद्धनी जरातुल्य इरातोग रतलो उसरीत
राखसी पाका दुपा म्मा इना म्मा पुत्रा
ज्या भेकन वीरनालो म्मा सीत संग म्मा गगना सी
कन फला म्को पुरुष वना इरातोग राके ली राख उरे
से सीत भोग वीर संग वाधी राख म्मा को भविष्यता इ
वेच म्मा लाई खान ही नदी कोती सा सी दी राख वना सी
ले दे होई रना कायाना कन दला काती थोर दे गरी राख
म्मा म्मा ब्राह्मन को दान याना कन उसे ब्राह्मन को नव
मुत्र व्वा इरा वजो शम कन न म्नी रा रा म्मा कन व
मनला नी वली याद म्नी बतला म्मा कन वा रु वी स
सा सी दी कन न म्मा मुख थुनी राख म्मा सुकी जा
त म्मा पनी वस्या भै ही दना म्मा स्त्री कन सा सी भवा
मग म्मा मुरली ले ची उर कना ई कुती कन न म्मा
राख देरी ले हात थुता वाधी टांगी राख ब्राह्मन कन
कमारी न्मा वानी म्मा नी मगनी घर म्मा म्मा सीत
मेरा वीला सगन म्मा कन ब्राह्मन न म्मा म्मा सुकी जात
मम्मा धनी फला म्मा को मेरे ~~लेवादी~~ फाली को
~~मेरा~~ म्मा पनी फला म्मा को देरी ले वाधी फा
ली पोली राख तोगरी दामो राख सी म्मा लाई म्मा रा
फोरी सुद्यु के निरक सुवा इग ला वाधी नदी म्मा त्रधी
स्या इराख नु पई ब्राह्मन भै दान दी दाम संतोयो
गन्या इरा ब्राह्मन कन माहा माहा जा द वाही म्मा
पुरे म्मा म्मा इदेउ ही दये म्मा करोती ले काती थन
कलेक पाल मा हानी रुकी या रातो गरी पोली
हात मा लीन देउ ब्राह्मन कन भै कन धन को लो म्मा

नदीनु भवनी चाजना कन दीना कन व
सासी भव्या आन्दा भिकी भमीलो पैला को
कोह भावे हो राख यही सासी दीनु पद
स्रीह था गन्धालिह धो पल्लव ईकरा हाती धोर
ले कुच चाई गिल धले आधा फोर राखनु पद
धोर चाट मा भया पनी भनावन मा खात लाउया
कन लाई कती सासी भमा जामो काती नाक
क काती रा उजात कोन क युवा ई सी इम कान क
मागारी राख आभा हया गन्धालिह सबै जात
कोन क युवा ई मुख मा सोही पोती हात काती
मुसती मायी उरा कुच मा कुती न क मा राख
सा मनु येकन कृत क चाट त मनु पापी पापाः
भील मा अधमी भनु जसो गरी सको इसे उरको सा
सी दी कन न क मा राख भनी जमराजा की मा जामयो
सुरा की कीना मये ही विद्यु की को नान क र
भग म मेग म सबै च मान ये नर का लयत ॥ ब्राह्म
न देव ती वेस सुभ दूले वीय वी चारे जात कन पनी
पाछनी पकाई कन न सी कडुनु मन कती सासी
भव्या वाधी कुती कुती कन सुं चुरु को घोर मा
वा र दो ही म स्व दो दना = धात्री चगना ध
र हा का र सी ती ल को पुष्य गंधा च न्यान य नर
का ल य त वी मा का जौ वि पल को र य द्वा रूप
वे यो भ क को री स ग न्मा भ का का ती ल यो री पा
मा ही दे र पुर ल री दी न्या कुरा पापी मनु य

मायरकुच संग बाधो राख अन्या गो हय ॥
नीकी भव बीमबी कीत था पर सान दीवी की ब
ताच उपान परार का लयत ॥ ~~कन्या~~ कन्या दो
राकु तुम्ह कन दीयार कुम्ह ~~अ~~ उर वेजा जीन्या
गाइको हाती घोरा कोवीथ को मानी ज को वेधार
गइयती थोक को वेपार गनम दिन बापी कन त्यायर द
धीन व दीसा की वाकु ददता हा लैगी उ भी दों गरीरा
वन पइधन रूपे पर ~~ह~~ स्त्री ना ददीते गुरु तु लोक
रकु द्वा राभी रा वात आनयन स्कालयत गा ममात्र
हाताइ आंगा माहाला का तीसरे सना को माहा लाइ
दये मा की लो थो को हात वाधो भीर मा छ सालो
सा सी गरीराय उ ~~क~~ को जात भयर नीचा जातो
को भक्ष घाना लाइ नव जात को मन्त्र युवाइ मस
ही हे कुती का धाले हा सी कुकु रको मास मा
मुवाइ क ~~क~~ क मा राय फल हली मया ~~म~~ म
दुयाइ मया आफ नास रीमा सख मया मया
मसा बायी क नसा सी कहि सकनु धन कइले
रसु यति नयन माका ~~म~~ साया उमा तजि
मय ~~म~~ मा ~~क~~ का मा हली गरी राख धर मा
दधय लोला उन्माला इ हात युता काती युला आगा
मासे कुर का धाले काती धुंगले थीसी धी सुपाइ
कनन कु मा सुभ नुलपाव ॥ अमर वेद सप्त
अमन देव तीर्थ यो ममने म ~~म~~ मा ~~म~~ मा ~~म~~ मा
न स्कालयत वेद मा ~~म~~ मा ~~म~~ मा ~~म~~ मा ~~म~~ मा

धीरुंदा इरावती महुला गन्ना लाई गच्छ

को जन्म दोकन भासिले थी चीराय गा रहेला

नालाई सप कोवी शल को ककुको सुचुको:

धोराको झुकी स्वास्नी को दूत बुवाइ राखवा ल

नहेला गन्ना लाई पौनक दूमा दुवाइ राख दासी

को जन्म मरुः माता पीताय सीता गाअता रस्व

नना नि भायुजी तो स्वये मे थी ज्ञान येन रका

तयार वाक वाम हरतारी संग वीरो धग रीही

इन्ना कन ही दये मा भयंती ले कुती मु खमा स

पधुवा इन कमा राय नु चाही द भोक माया न

नही नमा मन यम हल मरु पाकिन कु ह्या लले मा

मो कु कमा मे कुती न क माराय आ फ्री दू री जो

मन दुका भोगा मारी रो री राय नमा मनु मे क

नली ग कालीन क मनु बुवाइ रायः॥ स्वये दू

इन सभ पुजे चो रा द हरी वास प्रव बु मे युन क

वा आन येन र काल मयतः कय दगर दल गरी

घान गवा कन बरानी याव दी कन अगु हा काती

हात मातता या को तेल ले पोले नि क मारायः॥ हरवा

सगरी प द मन्त्र यात्रा कन मे सो को मरु पो वरु

न मरु वरु काल प्र मा स्त्री मे धन मन्त्रा री दू

गावत थी मरी राय नु प्रभवती वै मे नवा बीवा

दरु कयेन स दार नी तमा प्रक वीत भा वये ठ

नर काल मन्त्रा बी दू वा मस्त्री ल्या य र म

मे मन्त्रा मन्त्रा कन मय मन्त्रा मली गाले बीला

कमल कमल रायः ॥ इती श्री जमजि तासं धारय
यमा ध्यायः ॥ ५ ॥ दुत दुवा चः अस्माकं वल व दास्य
यह मात वीन ॥ ६ ॥ मनस हे वासा धरे कारे कम
स्थाने बुआ स्वयतः दुमले जमरा जायु इ वीनी
माहे माहाराजातीमी हरले आजा ग जायु
नी सुविउ अवर प्रस्थान हवस हमी काह वा
गनु भनीज मरु राजा देउ वीनी गान्या यमरा
भुक्त के सीप नारी वी वाइ करहु वीय ॥ ७ ॥ गस्त
मल कला तचरी सु मरुता यत अमरा जायु
कन अ हाउ नला ग्या अतया जवन ह धर मात
ले मा फना लामा भाव याना मा के हाका मा
अधमी वी ताउ न्या कोरा वत मा धरे रुग मा
स्था मा भैक पाल ठको मा वरु मा लाल मा
धुर नलाउ न्या दी व प्रती कला भोग मा मात
नम ध्याये मुरव नरी यान दीन मा यसा स्था इमी
तह ताली आइ वास वसः ॥ ८ ॥ अरु मा मा मा
रीते माजेन वीना नम सार रज अरु व वी
दुत यन कत्याको मा दामा मा भात य मा पा
नाक न यान न बदीन्या मा फल अची याना अस्का
धर मा अरु सीर दता हाजाइ वास ग र ॥ ९ ॥ नील क दे
भे दे गो ल भु च कोर यत वका चका युया सि न वा
वी उना क दुयत ॥ १० ॥ ध हो होत्या का अ मा ह हल
नम गा इ मी सी युके गोय मा पात मा क भुरा
त्य का थ यु मा नी री जाया का थोउ मा न
का थ न मा र वार वी वास नम ॥ ११ ॥ य व थान ॥

[illegible]

2326

